



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W00KG03995	ImageGroup:	I00KG04043
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	དྲིས་ལན་བེ་བྱ་རྩལ་འི་ཕྱེང་བ dris lan bai drur+ya'i phreng ba
Author:	བསོད་ནམས་རྒྱལ་མཚན་དཔལ་བཟང་ bsod nams rgyal mtshan dpal bzang
Descriptor:	rare dbu med manuscript discovered in the prc; digitized in oct. 2001
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at M/S Satluj Infotech Images, E-45, Sector 27 Noida, District Gautam Buddha Nagar, U.P. 201301 via New Delhi, IN for the Tibetan Buddhist Resource Center, 150 17th st., New York, NY 10011, U.S.A 2006. Comments: Dummy 28, pening 4, 55 ff.



ସ୍ବର୍ଗ

[illegible]

ਸਤਿਨਾਮੁ

॥ ੨੦ ॥ ਨਮਕਿ ਕੀਯਾ ਪੈਨੀ ॥ ਭੈ ਸਿਖੈ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥
 ॥ ੨੧ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥
 ॥ ੨੨ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥
 ॥ ੨੩ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥ ਭੁਭੁਕਿ ਕੇ ਸਮੁਦ੍ਰਿਸਿ ਘੋਰੁ ॥

30॥
3
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

३०॥
 ३१॥
 ३२॥
 ३३॥
 ३४॥
 ३५॥
 ३६॥
 ३७॥
 ३८॥
 ३९॥
 ४०॥

[illegible]

ଦୁରୂପାପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଦୁରୂପାପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ
 କିମଂଶୁ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ
 ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ
 ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ
 ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ
 ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ ଶିଖରୀପାଂଶୁପୁରାଣଂ

12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

ॐ॥ नायनीत्येवमुक्त्वा प्रोपायप्रदयेन्मि॥ कौमुदीनायनीत्यादिनां त्रैलोक्येति नवात्रयव्यापित्वमुक्त्वा नमः विष्णवे॥
अत्रोत्पत्त्येवमप्युक्तं नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥
प्रोपायप्रदयेन्मि॥ ३०॥ कौमुदीनायनीत्यादिनां त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ कौमुदीनायनीत्यादिनां त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥
उक्तं नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥
अत्रोत्पत्त्येवमप्युक्तं नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥
प्रोपायप्रदयेन्मि॥ ३०॥ कौमुदीनायनीत्यादिनां त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ कौमुदीनायनीत्यादिनां त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥
उक्तं नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥ नमः त्रैलोक्ये प्रोपायप्रदयेन्मि॥

21
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

20a
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

Handwritten marginal notes in a script, possibly Indic, located on the left side of the page.

Handwritten text in a script, possibly Indic, arranged in several lines across the main body of the page. The text appears to be a form of Sanskrit or a related language.

[illegible]

22a

22b

३०॥ त्रैलोक्यप्रसिद्धा ॥ पितृकोट्युपनिषत्संज्ञकम् ॥ अथ ब्रह्मवैवर्तपुराणे विष्णुसंहिता ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 विष्णोः ॥ त्रैलोक्यप्रसिद्धा ॥ अथ ब्रह्मवैवर्तपुराणे विष्णुसंहिता ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 वरुणोत्पत्तिर्ब्रह्मवैवर्तपुराणे विष्णुसंहिता ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 सुप्रसिद्धा ॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 त्रैलोक्यप्रसिद्धा ॥ अथ ब्रह्मवैवर्तपुराणे विष्णुसंहिता ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 वरुणोत्पत्तिर्ब्रह्मवैवर्तपुराणे विष्णुसंहिता ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः
 सुप्रसिद्धा ॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः ॥ ३०॥ कल्पलोकोत्पत्तिर्विष्णोः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादमुपासीत ॥
 विराट्स्थितः पाशैर्वन्धितश्चात्मविभक्तवान् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीवम् ॥
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टाध्याये षष्ठोऽध्यायः ॥

(Faint handwritten text from another page)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

નભીઃ સજ્જનમ્ ॥ ૧ ॥ ૨ ॥ ૩ ॥ ૪ ॥ ૫ ॥ ૬ ॥ ૭ ॥ ૮ ॥ ૯ ॥ ૧૦ ॥ ૧૧ ॥ ૧૨ ॥ ૧૩ ॥ ૧૪ ॥ ૧૫ ॥ ૧૬ ॥ ૧૭ ॥ ૧૮ ॥ ૧૯ ॥ ૨૦ ॥ ૨૧ ॥ ૨૨ ॥ ૨૩ ॥ ૨૪ ॥ ૨૫ ॥ ૨૬ ॥ ૨૭ ॥ ૨૮ ॥ ૨૯ ॥ ૩૦ ॥ ૩૧ ॥ ૩૨ ॥ ૩૩ ॥ ૩૪ ॥ ૩૫ ॥ ૩૬ ॥ ૩૭ ॥ ૩૮ ॥ ૩૯ ॥ ૪૦ ॥ ૪૧ ॥ ૪૨ ॥ ૪૩ ॥ ૪૪ ॥ ૪૫ ॥ ૪૬ ॥ ૪૭ ॥ ૪૮ ॥ ૪૯ ॥ ૫૦ ॥ ૫૧ ॥ ૫૨ ॥ ૫૩ ॥ ૫૪ ॥ ૫૫ ॥ ૫૬ ॥ ૫૭ ॥ ૫૮ ॥ ૫૯ ॥ ૬૦ ॥ ૬૧ ॥ ૬૨ ॥ ૬૩ ॥ ૬૪ ॥ ૬૫ ॥ ૬૬ ॥ ૬૭ ॥ ૬૮ ॥ ૬૯ ॥ ૭૦ ॥ ૭૧ ॥ ૭૨ ॥ ૭૩ ॥ ૭૪ ॥ ૭૫ ॥ ૭૬ ॥ ૭૭ ॥ ૭૮ ॥ ૭૯ ॥ ૮૦ ॥ ૮૧ ॥ ૮૨ ॥ ૮૩ ॥ ૮૪ ॥ ૮૫ ॥ ૮૬ ॥ ૮૭ ॥ ૮૮ ॥ ૮૯ ॥ ૯૦ ॥ ૯૧ ॥ ૯૨ ॥ ૯૩ ॥ ૯૪ ॥ ૯૫ ॥ ૯૬ ॥ ૯૭ ॥ ૯૮ ॥ ૯૯ ॥ ૧૦૦ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620
 621
 622
 623
 624
 625
 626
 627
 628
 629
 630
 631
 632
 633
 634
 635
 636
 637
 638
 639
 640
 641
 642
 643
 644
 645
 646
 647
 648
 649
 650
 651
 652
 653
 654
 655
 656
 657
 658
 659
 660
 661
 662
 663
 664
 665
 666
 667
 668
 669
 670
 671
 672
 673
 674
 675
 676
 677
 678
 679
 680
 681
 682
 683
 684
 685
 686
 687
 688
 689
 690
 691
 692
 693
 694
 695
 696
 697
 698
 699
 700
 701
 702
 703
 704
 705
 706
 707
 708
 709
 710
 711
 712
 713
 714
 715
 716
 717
 718
 719
 720
 721
 722
 723
 724
 725
 726
 727
 728
 729
 730
 731
 732
 733
 734
 735
 736
 737
 738
 739
 740
 741
 742
 743
 744
 745
 746
 747
 748
 749
 750
 751
 752
 753
 754
 755
 756
 757
 758
 759
 760
 761
 762
 763
 764
 765
 766
 767
 768
 769
 770
 771
 772
 773
 774
 775
 776
 777
 778
 779
 780
 781
 782
 783
 784
 785
 786
 787
 788
 789
 790
 791
 792
 793
 794
 795
 796
 797
 798
 799
 800
 801
 802

2000

২৩।
 অতিথিগণেরা শ্রুত্বা যত্নপূর্বকং গৌরবং প্রদত্ত্বা
 শ্রুত্বা যত্নপূর্বকং গৌরবং প্রদত্ত্বা
 গৌরবং প্রদত্ত্বা
 গৌরবং প্রদত্ত্বা

55b